सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 240 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 21 दिसम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जो अच्छे स्वभाव के मनुष्य होते हैं, उनको बुरी संगति भी बिगाड़ नहीं पाती। जहरीले सांप चन्दन के वृक्ष से लिपटे रहने पर भी उस पर कोई जहरीला प्रभाव नहीं डाल पाते। -रहीम दास

क्रिकेटर मोहम्मद शमी को मिलेगा अर्जुन... 7 | इंडिया गठबंधन को होना होगा... 3 | आज ईडी के सामने पेश नहीं होंगे... 2

सरकार की तानाशाही के खिलाफ विपक्ष का विरोध प्रदर्शन

खरगे बोले- मोदी सरकार नहीं चाहती चले सदन

संसद भवन से विजय चौक तक इंडिया गठबंधन ने निकाला विरोध मार्च

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान अब तक 146 विपक्षी सांसदों को किया गया निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम जनमानस के मुद्दों से इतर देश में इस समय सांसदों के निलंबन और उपराष्ट्रपति की मिमिक्री करने को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच सियासत जारी है। केंद्र की मोदी सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने का भरसक प्रयास कर रही है। इसकी एक झलक संसद के शीतकालीन सत्र में भी देखने को मिली। जहां पर खबर लिखे जाने तक संसद के दोनों सदनों यानी कि लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर कुल 146 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया जा चुका है। इन सांसदों को इसलिए निलंबित किया गया क्यों ये संसद में सुरक्षा चूक के मामले पर चर्चा की मांग कर रहे थे।

संसद के इतिहास में पहली बार इतने बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया है। विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ पूरे विपक्ष ने आज संसद भवन से विजय चौक तक मार्च निकाला। इस मार्च में इंडिया गठबंधन के दलों ने हिस्सा लिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की साथ ही सेव डेमोक्रेसी के पोस्टर भी दिखाए। साथ ही संभावना है कि संसद का शीतकालीन सत्र भी एक दिन पहले आज ही समाप्त हो सकता है।

संसद में जो हुआ वो देश के इतिहास में कभी नहीं हुआ : शरद पवार

एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि हम हमेशा संस्थाओं का सम्मान करते हैं। संसद में जो हुआ वह देश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ था। 150 सांसदों को सदन से बाहर करने का ऐतिहासिक काम किया गया है। जिनकी सिर्फ एक ही मांग थी कि सरकार की ओर से बयान दिया जाए कि जो लोग सदन के सदस्य नहीं थे वो सदन में कैसे आए। उन्हें पास किसने जारी किया? यह संसद का अधिकार है। मिमिक्री विवाद पर पवार ने कहा कि अगर कोई संसद के बाहर कुछ करता है मेरे खिलाफ कुछ कहता है और मैं कहूं कि यह मराठों और किसानों का अपमान है। मैं ऐसा कभी नहीं कहूंगा।

सरकार ने संसदीय लोकतंत्र की परंपराओं का किया अपमान : थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में हम ऐसी स्थिति देख रहे हैं जिसमें सरकार, जिसकी जिम्मेदारी संसद चलाने की है, अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से नहीं ले रही है। सरकार ने जो किया वह अस्वीकार्य था और उन्होंने संसदीय लोकतंत्र की परंपराओं का सम्मान नहीं किया। जब सांसदों ने गृह मंत्री की उपस्थिति और मुद्दे पर चर्चा की मांग की तो उन्हें संसद से निलंबित कर दिया गया।

पीएम और गृह मंत्री बाकी जगह बोलते हैं, लेकिन सदन में नहीं : खरगे

विरोध मार्च के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी सरकार ये नहीं चाहती कि सदन चले। लोकतंत्र में सवाल करना हमारा हक है। हम सवाल उठा रहे हैं कि संसद सुरक्षा में जो चूक हुई, उस पर प्रधानमंत्री जी और गृह मंत्री जी बयान दें। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री जी और गृह मंत्री जी बाकी जगहों पर बात कर रहे हैं लेकिन वे सदन में बयान नहीं दते हैं, ये सदन का अपमान है। उन्होंने कहा कि मैं माफी चाहता हूं कि राज्यसभा चेयरमैन साहब ने जो मुद्दा उठाकर इसे जातिवाद पर ले आए हैं। लोकतंत्र में बात करना हमारा हक है। लोगों की भावनाओं को संसद में बताना हमारा कर्तव्य है।

सरकार कर रही अपनी मन मर्जी : अधीर रंजन

हमारे जो मूल मुद्दे थे, उससे हटकर मोदी सरकार ने मनमाफिक इतना बड़ा बिल पारित कर दिया। ये देश और लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरनाक है। इसका दूरगामी असर होगा। यह सरकार हर चीज की अनदेखी कर रही है और बहुमत के बाहुबल से अपनी मर्जी चला रही है। ये देश को अंधेरे की ओर धकेलने का काम कर रहे हैं और हम इसके खिलाफ आवाज उठाएंगे।

रामराज्य में राजस्व बढ़ाने के लिए सरकार के पास शराब ही एकमात्र विकल्प

» नई आबकारी नीति पर वरुण गांधी ने योगी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अक्सर अपनी ही भाजपा सरकार पर निशाना साधने वाले और सत्ता से सवाल करने वाले बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने एक बार फिर प्रदेश की योगी सरकार को आड़े हाथों लिया है। वरुण अक्सर ही प्रदेश व केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते रहते हैं। अब वरुण गांधी ने उत्तर प्रदेश की नई आबकारी नीति को लेकर योगी सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने शराब को लेकर सरकार के फैसले पर सवाल खड़े किए हैं।

वरुण गांधी ने आज यानी कि बृहस्पतिवार 21 दिसंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि क्या 'रामराज्य' में सरकार के पास राजस्व बढ़ाने के लिए इससे (शराब से) बेहतर विकल्प नहीं है? बता दें कि योगी सरकार ने नई शराब नीति को मंजूरी दी है। नई नीति के तहत रेलवे और मेट्रो स्टेशन पर भी अब शराब का प्रीमियम ब्रांड उपलब्ध होगा।

राजस्व वृद्धि के लिए शराब का प्रचार किया जाना दुखद

भाजपा सांसद ने कहा कि करोड़ों परिवार उजाड़ने वाली शराब का राजस्व वृद्धि के लिए प्रचार किया जाना दुखद है। शराब का नकारात्मक असर शराबी से अधिक उनके परिवार पर पड़ता है, महिलाओं व बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। वरुण गांधी से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी नई आबकारी नीति पर सवाल उठा चुके हैं।

सांसदों का निलंबन संसदीय इतिहास के लिए दुर्भाग्यपूर्ण : मायावती

» बसपा सुप्रीमो बोलीं- विपक्ष विहीन संसद ठीक व्यवस्था नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर जारी सियासत के बीच अब बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया है। विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए बसपा प्रमुख ने कहा कि विपक्ष विहीन संसद ठीक व्यवस्था नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि संसद की सुरक्षा में चूक होना भी एक गंभीर मामला है। संसद के चालू शीतकालीन सत्र के दौरान करीब डेढ़ सौ सांसदों का निलंबन संसदीय इतिहास के लिए दुर्भाग्यपूर्ण और जनता के विश्वास को आघात पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का मानना है कि मौजूदा संसद सत्र में करीब 150 सांसदों का निलंबन विपक्ष या सरकार के लिए कोई गुड वर्क या अच्छा कीर्तिमान नहीं है। बता दें कि अब तक निलंबित 143 में से लोकसभा के 118 और राज्यसभा के 25 सांसद हैं।

संसद सुरक्षा के आरोपियों पर हो कड़ी कार्यवाही

बसपा प्रमुख ने कहा कि हाल ही में संसद की सुरक्षा में जो सेंध लगाई गई है, ये ठीक नहीं है। यह बेहद गंभीर और चिंता का विषय है। ऐसे में हमें मिलकर संसद की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने से काम नहीं चलेगा। आरोपियों और साजिशकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होना भी बेहद जरूरी है। ऐसे में खुफिया विभाग को सतर्क रहने की जरूरत है। आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो सके।

बसपा सभी धर्मों का सम्मान करती है

बसपा को धर्म निरपेक्ष बताते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बसपा सभी धर्मों का सम्मान करती है और उसे अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और जल्द निर्मित होने वाली मस्जिद के उद्घाटन पर कोई ऐतराज नहीं है। हालांकि, धर्मस्थलों की आड़ में हो रही घिनौनी राजनीति से देश का भला नहीं होगा, बल्कि इससे लोगों के बीच नफरत बढ़ेगी।

ममता ने राहुल पर फोड़ा उपराष्ट्रपति की नकल मामले को तूल देने का ठीकरा, बोलीं-

वीडियो न बनाते तो न बढ़ती बात

» ममता ने अपने सांसद का किया बचाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है। तो वहीं दूसरी ओर अब रिकॉर्ड 143 विपक्षी सांसदों को सदन की कार्यवाही को बाधित करने के चलते शेष शीतकालीन सत्र से निलंबित किया जा चुका है। विपक्षी सांसद इस मुद्दे पर बीते बुधवार से संसद परिसर में मौजूद गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं इस बीच टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री करने पर सियासत और भी गरमा गई है। क्योंकि सत्ता पक्ष इस मामले को उपराष्ट्रपति और पूरे जाट समुदाय के अपमान को लेकर विपक्ष पर हमलावर है और उसे घेर रहा है।

तो वहीं सत्ता पक्ष द्वारा लगातार किसान और जाटों के अपमान की बात कहने पर विपक्ष ने भी तुरंत अपना दांव चला और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपना दलित कार्ड खेल दिया। खरगे ने कहा कि ऐसे तो उपराष्ट्रपति धनखड़ साहेब मुझे राज्यसभा में बोलने ही नहीं देते, तो क्या मैं कह दूं कि मैं दलित हूं इसलिए मुझे नहीं बोलने दिया जाता है। ये पूरे दलित समाज का अपमान है कि हमें अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया जाता है। यानी अब राजनीति का मुद्दा टीएमसी सांसद द्वारा उपराष्ट्रपति का अपमान करने का है। जिसको लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष आमने-सामने हैं। साथ ही सवालों के घेरे में टीएमसी सांसद और तृणमूल कांग्रेस है। तो वहीं राहुल गांधी द्वारा इस दौरान वीडियो बनाने पर सरकार राहुल को भी घेर रही है। अब अपनी ही पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा किए गए राज्यसभा के सभापति के अपमान पर टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने अपने संसद का बचाव करते हुए यह जरूर कहा कि अगर राहुल गांधी इस मिमिक्री का वीडियो नहीं बनाते तो यह कभी किसी के सामने आता ही नहीं।

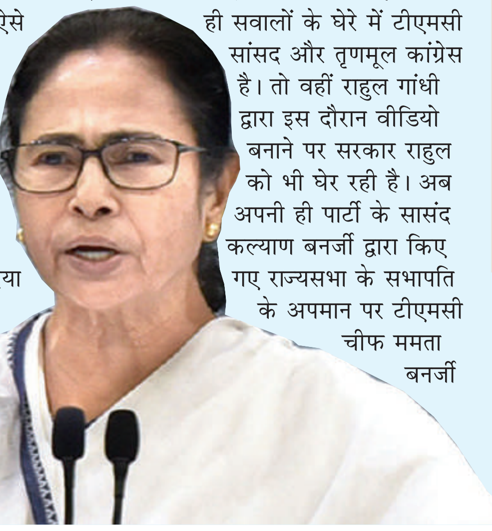

पीएम मोदी से की ममता ने मुलाकात

वहीं इस बीच कल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की। ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर राज्य के लिए धन जारी करने का आग्रह किया है। पीएम मोदी को सौंपे पत्र के मुताबिक, कई केंद्र प्रायोजित योजनाओं और पिछले वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं के लंबित दावों के कारण भारत सरकार पर लगभग 1.16 लाख करोड़ रुपये का बकाया है। पीएम से मुलाकात पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि पीएम ने हमारी चिंताओं को ध्यान से सुना है। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र के अधिकारियों के बीच एक बैठक होनी चाहिए, जिसमें एक निर्णय लिया जाना चाहिए और पश्चिम बंगाल के बकाए के पैसों को जल्द से जल्द दिया जाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

केशव मौर्य का तंज- घमंडिया गठबंधन के सभी नेता पीएम उम्मीदवार

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर तंज कसते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि घमंडिया गठबंधन के सभी नेता प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं लेकिन जनता पीएम मोदी के साथ है। 2024 के चुनाव में एक बार फिर प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी और नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के लोग पीएम मोदी का अपमान करते हैं जो कि एक गरीब घर से आते हैं और समाज के पिछड़े तबके से आते हैं। घमंडिया गठबंधन के नेता मीटिंग में तो पीएम उम्मीदवार हो सकते हैं। आपसी बैठक में पीएम उम्मीदवार बन सकते हैं पर जनता पीएम मोदी के साथ है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के चुनाव परिणाम ये साफ दिखाते हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक 18 दिसंबर को हुई थी जिसमें कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे को पीएम उम्मीदवार बनाने का प्रस्ताव रखा गया।

भाजपा सांसद अहलूवालिया ने 63 सांसदों के निलंबन की विपक्ष को दिलाई याद

नई दिल्ली। संसद से विपक्षी सदस्यों के निलंबन के मुद्दे पर इन दिनों राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। विपक्षी नेताओं की बयानबाजी के बीच भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री एसएस अहलूवालिया ने 1989 में 63 सांसदों के निलंबन की याद दिलाई है। इंदिरा गांधी की हत्या पर रिपोर्ट पेश करने की लगातार मांग करने के लिए इन सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। विपक्षी सांसदों के निलंबन मामले में सरकार पर निशाना साधने के लिए अहलूवालिया ने विपक्षी दलों की आलोचना भी की। अहलूवालिया 1989 में राज्यसभा सदस्य थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने सरकार पर हमला करने के लिए संसद की सुरक्षा में चूक को राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मुद्दा करार दिया है। उन्होंने हैरानी जताते हुए पूछा कि एक प्रधानमंत्री की हत्या से बड़ा राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा क्या हो सकता है? 63 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया, क्योंकि वे चाहते थे कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ठक्कर आयोग की रिपोर्ट पेश करे। बंगाल के बर्धमान-दुर्गापुर से भाजपा सांसद अहलूवालिया 1989 में कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य थे। जस्टिस ठक्कर आयोग ने इंदिरा गांधी हत्याकांड की जांच की थी। कांग्रेस और आइएनडीआइए के उसके सहयोगी मांग कर रहे हैं कि गृह मंत्री अमित शाह को 13 दिसंबर को दो लोगों द्वारा संसद की सुरक्षा में उल्लंघन को लेकर बयान देना चाहिए।

अखिलेश यादव को सीबीआई और ईडी का डर : ओपी राजभर

» बोले- लोस चुनाव में भाजपा के साथ मिलकर जीतेंगे यूपी की सभी 80 सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंदौसी (संभल)। सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर जबसे सपा का साथ छोड़कर भाजपा के साथ आए हैं, तबसे लगातार सपा मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधते रहते हैं। अब एक बार फिर चंदौसी में प्रेसवार्ता के दौरान सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर निशाना साधा है।

राजभर ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को ईडी और सीबीआई का डर है। वह दिन में भाजपा के खिलाफ बोलते हैं और रात में गुलदस्ता लेकर योगी और पीएम मोदी की शरण में चले जाते हैं। बहजोई में महिला सम्मेलन में शामिल होने जाते समय ओमप्रकाश राजभर ने चंदौसी में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन के साथ सभी 80 सीट जीतने का दावा किया है। कहा कि सीट बंटवारे को लेकर कोई मतभेद और झगड़ा नहीं है।

भाजपा सरकार में चरम पर पहुंच चुका है भ्रष्टाचार : शिवपाल यादव

» बोले- भाजपा नहीं, कोर्ट के निर्देश पर हो रहा राम मंदिर का निर्माण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में जसराना क्षेत्र के मुस्तफाबाद में समाजवादी पार्टी द्वारा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने के लिए सपा राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव पहुंचे। इस मौके पर शिवपाल ने भाजपा सरकार पर भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर 2024 में दिल्ली की सरकार चली गई, तो यूपी से बाबा की सरकार भी चली जाएगी।

शिवपाल ने कहा कि राम मंदिर भाजपा नहीं, कोर्ट के निर्देश पर बनाया जा रहा है। प्रदेश में हमारी सरकार होती तो इससे भी भव्य मंदिर का निर्माण होता। उन्होंने कहा कि परिवार एवं कार्यकर्ताओं के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के दर्शन को जाएंगे। शिवपाल सिंह यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका है। जहां पहले लेखपाल की हैसियत 100 से 200 रुपये हुआ करती थी, वहीं अब हजारों रुपये देने के बाद भी कार्य नहीं हो पा रहे हैं। कहा कि भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने का कार्य कर रही है।

विपक्ष नहीं होगा तो दब जाएंगे मुद्दे

सपा राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि संसद पर हमले को लेकर सवाल पूछने पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने जवाब देने के बजाए सांसदों को ही निलंबित कर दिया।उन्होंने कहा कि जब विपक्ष ही नहीं होगा तो जनता के मुद्दे दब जाएंगे। भाजपा पर मंदिर मस्जिद के नाम पर लोगों को बांटने का आरोप लगाया। इस दौरान प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, किसानों की बात पर भी सरकार को घेरा। इस मौके पर विधायक इंजी. सचिन यादव, विधायक डॉ. मुकेश वर्मा, विधायक सर्वेश यादव, पूर्व सांसद अक्षय यादव, डॉ. दिलीप यादव, रामप्रकाश यादव, मीना राजपूत, डॉ. सुकेश यादव मौजूद रहे।

आज ईडी के सामने पेश नहीं होंगे केजरीवाल

» ईडी को भेजा जवाब, कहा- यह राजनीति से प्रेरित, मेरे पास छिपाने को कुछ नहीं

» इससे पहले 2 नवंबर को होना था पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए गुरुवार 21 दिसंबर को ईडी के समक्ष पेश नहीं होंगे। उन्होंने ईडी के समन का जवाब भेजकर कहा कि मैं हर कानूनी समन मानने को तैयार हूं, लेकिन यह पिछले समन की तरह गैर कानूनी है। बता दें कि केजरीवाल विपश्यना के लिए 20 दिसंबर को ही विपश्यना केंद्र के लिए निकल चुके हैं। जहां 30 दिसंबर तक रहेंगे। ऐसे में वो आज ईडी के सामने पेश नहीं होंगे।

ईडी के समन का जवाब देते हुए केजरीवाल ने कहा कि ईडी का समन राजनीति से प्रेरित है। पिछले की तरह ये समन भी गैर कानूनी है। इसलिए समन वापिस लिया जाए। मैंने अपना जीवन ईमानदारी और पारदर्शिता से जिया है। मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। केजरीवाल पूर्व निर्धारित ध्यान पाठ्यक्रम के लिए बुधवार दोपहर करीब 1.30 बजे निकल गए। इधर, पार्टी के वकील ईडी के नोटिस का अध्ययन कर रहे हैं और वे उपयुक्त जवाब देंगे। दिल्ली के अधिकारी भले ही अज्ञात स्थान पर जाने की बात कर रहे हों, लेकिन यह पुष्ट है कि केजरीवाल बुधवार को पंजाब के होशियारपुर से 12 किमी दूर गांव आनंदगढ़ स्थित विपश्यना मेडिटेशन सेंटर में साधना के लिए पहुंच गए। केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ दिल्ली से चार्टर्ड विमान से शाम लगभग चार बजे जालंधर स्थित आदमपुर एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से दोनों नेता हेलीकाप्टर से विपश्यना मेडिटेशन सेंटर के निकट स्थित चौहाल के लिए रवाना हुए। मान चौहाल में ही रुक गए जहां वह रात्रि विश्राम करेंगे, जबकि केजरीवाल विपश्यना सेंटर में पहुंच गए। वहां वह दस दिन तक रहेंगे। बता दें कि इससे पहले दो नवंबर को केजरीवाल को ईडी ने तलब किया था। लेकिन वह पेश नहीं हुए थे। उस समय केजरीवाल ने दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार के चलते ईडी के सामने पेश होने में असमर्थता जताई थी। इसी मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह जेल में हैं।

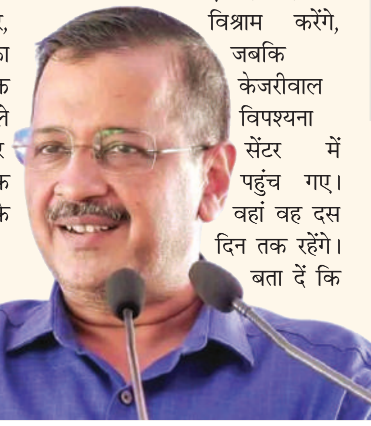

विपश्यना सेंटर के इर्द-गिर्द 500 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात

इस दौरान केजरीवाल किसी से नहीं मिलेंगे। पहाड़ियों की गोद में बसे विपश्यना सेंटर के इर्द-गिर्द सुरक्षा के लिए 500 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। एसपी और डीएसपी स्तर के अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखेंगे। बैरिकेड लगा दिया गया है। गांव के लोगों के पहचान पत्र देखकर आने-जाने की व्यवस्था की गई है। गांव के सरपंच रावल सिंह ने बताया कि उन्हें मंगलवार को ही केजरीवाल के आने की सूचना मिली थी। इसके बाद उन्होंने मजदूरों को बुलाकर मेडिटेशन सेंटर के आसपास सफाई कराई।

इंडिया गठबंधन को होना होगा गंभीर

सभी सहयोगी दल सार्वजनिक बयानबाजी से रहें दूर

- » लोस-24 चुनाव पर नहीं बन पा रही सहमति
- » एनडीए को हराने के लिए एकजुटता जरुरी
- » महत्वाकांक्षा दूर कर बनानी होगी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक कुछ खास नहीं रही। सीटों के बटवारों, पीएम के चेहरे पर सहमति व असहमति के बीच यह मीटिंग अगली बार मिलने के साथ खत्म हो गई। इंडिया गठबंधन को पांच विधानसभा चुनावों में मिले वोटों के आधार पर अब गंभीरता से लोक सभा चुनाव-24 के लिए अपनी रणनीति बनानी होगी। इन विधान सभा चुनावों के बाद एक बात तो स्पष्ट हो चुकी है भाजपा को किसी भी पार्टी द्वारा अकेले हराना लगभग कठिन है। पर ऐसा नहीं है अगर इंडिया गठबंधन पूरी ताकत लगा दे तो एनडीए के लिए अगला लोकसभा चुनाव जीतना मुश्किल हो जाएगा। इसके लिए तीन मुख्य बातों पर ध्यान देना जरूरी है। पहला गंठबंधन के सभी दलों को महत्वाकांक्षा को किनारे रखना होगा। दूसरा आपसी सहमति हर हाल में बनाना होगा। तीसरा जनता के बीच अपनी भावी योजनाओं की जानकारी साझा करनी होगी ताकि आमजन उनसे जुड़ सके।

दरअसल 2024 में मोदी के सामने कौन होगा यी सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न है। दिल्ली में इंडिया गठबंधन के चौथी मीटिंग में भी यह सवाल खूब जोर-शोर से उछला। बैठक में शामिल नेताओं की नजर नीतीश कुमार और राहुल गांधी की तरफ थी, लेकिन ममता बनर्जी ने मल्लिकार्जुन खरगे का नाम आगे कर सबको चौंका दिया। सूत्रों के मुताबिक खरगे के नाम का समर्थन आम आदमी पार्टी ने भी किया। अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री पद के लिए दलित चेहरे को आगे लाने की पैरवी की। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल के प्रस्ताव को नीतीश कुमार के लिए दूसरा बड़ा झटका माना जा रहा है. पहला झटका बेंगलुरु बैठक के दौरान नीतीश को लगा था, तब उनके संयोजक बनाने पर गठबंधन के दलों में सहमति नहीं बन पाई थी। गठबंधन की राजनीति में संयोजक का पद काफी महत्वपूर्ण माना जाता रहा है। 1989 में राष्ट्रीय मोर्चा के संयोजक रहे वीपी सिंह सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री बने थे। असल में 18 दिसंबर को ममता बनर्जी ने पत्रकारों से कहा था कि 2024 चुनाव के बाद प्रधानमंत्री पर फैसला होगा। उन्होंने कलेक्टिव लीडरशिप में लड़ने की बात कही थी। वहीं 19 दिसंबर की मीटिंग में ममता ने खरगे के नाम का प्रस्ताव रख दिया। अप्रैल 2023 में ममता बनर्जी के कहने पर ही नीतीश कुमार ने पटना में गठबंधन के दलों को एकजुट किया था। उस वक्त ममता और कांग्रेस के बीच अनबन की खबरें मीडिया में खूब छपती थी। हालांकि, एक चर्चा अगस्त के अंतिम हफ्ते में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी के बीच मुलाकात को लेकर भी हो रही है, इस मुलाकात में अभिषेक ने बंगाल में कैसे चुनाव लड़ा जाएगा, इस पर राहुल से चर्चा की थी।

नीतीश को किनारे कर खरगे को आगे बढ़ाने की कवायद

नीतीश कुमार संयोजक के बाद पीएम पद की रेस से बाहर हो गए हैं। हालांकि, खुलकर इसका ऐलान नहीं किया गया है। खरगे के नाम आने के बाद भविष्य में भी नीतीश पीएम बन पाए, इसकी संभावनाएं बहुत ही कम लग रही है। कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन की मीटिंग में बड़ी ही चतुराई से आम लोगों को एक संदेश देने का काम किया है, खरगे दलित हैं और अगर यह मैसेज चला जाता है कि वे पीएम बनेंगे, तो कांग्रेस को अपना पुराना वोटबैंक वापस मिल सकता है। कांग्रेस नीतीश कुमार को आगे कर दक्षिण और मध्य भारत में लड़ाई को कमजोर नहीं बनाना चाहती है, नीतीश अगर प्रधानमंत्री दावेदार

बनते हैं, तो बंगाल, केरल और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में इंडिया के घटक दल को नुकसान उठाना पड़ सकता है।नीतीश की राजनीति दक्षिणपंथ की रही है, ऐसे में अगर उनके नाम को आगे किया जाता है, तो मुस्लिम वोटबैंक भी तीसरे मोर्चे के दलों में शिफ्ट हो सकता है। यूपी में बीएसपी और बिहार में एआईएमआईएम जैसे दल सक्रिय है।

बिहार में लालू यादव का प्रभाव

नीतीश कुमार पर लालू यादव का पॉलिटिकिल प्रेशर भी है। लालू यादव चाहते हैं कि नीतीश बिहार छोड़ दिल्ली की राजनीति करें और बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी उनके बेटे तेजस्वी यादव के लिए छोड़ दें। सियासी गलियारों में इसको लेकर एक समझौते का भी जिक्र किया जाता है। कहा जा रहा है कि यह समझौता जुलाई 2022 में हुआ था। हालांकि, खुलकर न तो जेडीयू के नेता इसपर कुछ भी बोलना चाह रहे हैं और न ही आरजेडी के नेता। वहीं कांग्रेस और डीएमके नेताओं के बिगड़े बोल से भी नीतीश कुमार नाराज बताए जा रहे हैं। जेडीयू सूत्रों का कहना है कि अभी जिस तरह से बयानबाजी चल रही है। यह आगे भी चलता रहा, तो बीजेपी चुनाव जीत ले जाएगी। नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन की मीटिंग में सभी नेताओं को बीजेपी के ट्रैप न फंसने की सलाह दी। नीतीश ने अपने भाषण के दौरान कहा कि सबको साथ लेकर चलने की बात कीजिए।नीतीश ने मीटिंग में कहा कि छपने के लिए कोई नेता बयान देता है, तो उस पर सभी पार्टी के लोग ध्यान दीजिए।

न खुदा ही मिला न विसाल-ए-सनम : उपेंद्र कुशवाहा

उपेंद्र कुशवाहा ने एक एक्स पोस्ट किया है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा कि इंडी गठबंधन में नीतीश जी की हालत पर एक शेर याद आता है, कि न ख़ुदा ही मिला न विसाल-ए-सनम, न इधर के रहे न उधर के हुए हम।। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन की कोई बैठक के बाद से लगातार चर्चा में बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार कहीं ना कहीं खुद को अलग-थलग पा रहे हैं। उन्हें भी इस बात का एहसास होने लगा है कि भले ही उनके द्वारा विपक्षी एकता की कोशिश की गई, लेकिन अब पूरा का पूरा कमान कांग्रेस के हाथों में आ चुका है। यही कारण है कि बैठक के दौरान

नीतीश के गुस्से को लेकर भी खबर निकलकर सामने आई है। नीतीश कुमार को लेकर यह भी कहा जा रहा है कि गठबंधन में उनकी भूमिका को भी सीमित करने की कोशिश की जा रही है। इन सब के बीच कभी नीतीश कुमार के करीबी रहे और वर्तमान में एनडीए में मौजूद उपेंद्र कुशवाहा ने उन पर तंज कसा है।

उपेंद्र कुशवाहा ने एक एक्स पोस्ट किया है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा कि इंडी गठबंधन में नीतीश जी की हालत पर एक शेर याद आता है, कि.......न ख़ुदा ही मिला न विसाल-ए-सनम, न इधर के रहे न उधर के हुए हम।। उन्होंने आगे लिखा कि अब तो इंडी गठबंधन ने नीतीश जी को पीएम उम्मीदवार बनाने से साफ मना कर दिया। इधर बिहार में लालू यादव जी भी नीतीश जी को सीएम कुर्सी छोड़ने का दबाव बनाएंगे और भाई साहब मान गए तो ठीक, नहीं तो राजद के लोग धकियाकर नीतीश जी को सीएम की कुर्सी से हटा देंगे। फिर तो बड़के भइया क्या पीएम और क्या सीएम.....सारे रेस से बाहर हो जाएंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री बनने का सपना लेकर 2022 में दूसरी बार भाजपा से नाता तोड़ा था और अब पटना में अपने पक्ष में पोस्टर लगवा कर बड़ी उम्मीद से गठबंधन की दिल्ली बैठक में गए थे, लेकिन किसी ने संयोजक पद के लिए भी उनके नाम का प्रस्ताव नहीं किया। प्रधानमंत्री-पद की उम्मीदवारी तो बहुत दूर की बात है। मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार को न माया मिली, न राम। वे खाली हाथ जब पटना लौटेंगे, तब जदयू के लिए कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाये रखना मुश्किल होगा। पार्टी में भगदड़ मच सकती है।

चेहरा उतारना कहीं घाटा न करा दे

चुनाव से पहले किसी एक चेहरे को अगर आगे किया जाता है, तो चुनाव उसी चेहरे के इर्द-गिर्द सिमट जाएगी। कांग्रेस को हालिया विधानसभा चुनाव में इसका नुकसान उठाना पड़ा है, इसलिए पार्टी नीतीश कुमार को आगे नहीं करना चाहती है। इंडिया गठबंधन के अधिकांश दलों को कांग्रेस के साथ सीट बंटवारा करना है. ऐसे में यह दल खुलकर नीतीश कुमार का समर्थन करे, यह संभव नहीं है। इसलिए नीतीश के नाम को आगे करने में अधिकांश दलों को हिचकिचाहट है।नीतीश कुमार काफी नाराज दिखे। अपने भाषण के दौरान नीतीश तब हत्थे से उखड़ गए, जब डीएमके सांसद टीआर बालू ने उनके बयान का अनुवाद मांग लिया। नीतीश ने भाषण के दौरान कहा कि सभी लोग अंग्रेजी मानसिकता से बाहर निकल जाए. यहां की जनता ने अंग्रेजों को उखाड़ फेंका है, आप लोग इसे समझिए। नीतीश ने भाषण के दौरान कोई पद न लेने की बात भी दोहराई। उन्होंने कहा कि मेरे बारे में लगातार अफवाह फैलाया जाता है। इससे आप लोग दूर रहिए, मुझे किसी पद की लालसा नहीं है। मीटिंग खत्म होते ही नीतीश कुमार पटना के लिए निकल गए। मीटिंग में शामिल एक नेता ने कहा कि नीतीश क्यों नाराज थे, यह किसी को समझ में नहीं आया, आगे क्या होगा, यह भी कोई नहीं बता सकता।

नाराजगी दूर करना जरूरी

दिल्ली से लेकर पटना तक नीतीश कुमार की नाराजगी की वजह टटोली जा रही है. कई कयास और अटकलों के बारे राजनीतिक विश्लेषक चर्चा कर रहे हैं। जेडीयू सूत्रों के मुताबिक नीतीश कुमार की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह कांग्रेस का ढुलमुल रवैया है। नीतीश कुमार कांग्रेस को गंभीर सहयोगी नहीं मान रहे हैं। नीतीश के सहयोगियों का कहना है कि 2022 के सितंबर में इसकी पहल शुरू हुई, लेकिन 15 महीने बीत जाने के बाद भी गठबंधन का ठोस प्रभाव जमीन पर नहीं दिखा है. जेडीयू सूत्रों के मुताबिक नीतीश कुमार इस सबके लिए कांग्रेस को ही जिम्मेदार मान रहे हैं। जेडीयू के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि कांग्रेस वादाखिलाफी कर रही है। पार्टी ने मार्च 2023 में एक मीटिंग के दौरान सबको एकजुट करने पर नीतीश कुमार को संयोजक बनाने की बात कही थी, लेकिन गठबंधन बन जाने के बाद कांग्रेस हाईकमान ने इसकी पहल नहीं की।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

संसद सुरक्षा की लड़ाई, जाट-दलित पर आई

"तनी बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों को सस्पेंड करने पर विपक्ष अब इस मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगा। निलंबित विपक्षी सांसद संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन करने लगे। लेकिन इसी दौरान टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री कर दी, उनकी नकल उतार दी और वहां खड़े राहुल गांधी ने इसका थोड़ा सा वीडियो बना लिया।

देश की सियासत कब कौन सा रंग ले ले कुछ पता ही नहीं चलता है। पिछले कुछ वक्त से तो देश की सियासत धर्मों और जातियों के बीच कुछ ज्यादा ही बंट गई है। अब मौजूदा हालातों को ही ले लीजिए। देश की संसद की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर विपक्ष सरकार पर सवाल उठा रहा है और देश के गृहमंत्री अमित शाह से संसद में बयान देने की मांग कर रहा था। जो कि विपक्ष का काम ही है कि वो सत्ता से सवाल करे। लेकिन विपक्ष के इतना करने पर विपक्षी सांसदों को संसद से निलंबित ही किया जाने लगा। वो भी कोई एक या दों सांसद नहीं बल्कि दोनों सदनों को मिलाकर कुल 143 सांसदों को संसद से निलंबित किया जा चुका है। ऐसा इतिहास में पहली बार हुआ है। इतनी बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों को सस्पेंड करने पर विपक्ष अब इस मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगा। निलंबित विपक्षी सांसद संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन करने लगे।

लेकिन इसी दौरान टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री कर दी, उनकी नकल उतार दी और वहां खड़े राहुल गांधी ने इसका थोड़ा सा वीडियो बना लिया। बस फिर क्या था, धनखड़ साहेब आग बबूला हो गए। साथ ही सत्ता पक्ष भी धनखड़ साहेब के समर्थन में उतर आया और विपक्ष को खरीखोटीं सुनाने लगा। साथ ही पूरे विपक्ष पर ही उपराष्ट्पति के अपमान का आरोप लगाने लगा। उधर धनखड़ साहेब सरकार का समर्थन मिलते ही और भी तिनमिना गए। बस इसी दौरान सत्ता पक्ष ने धनखड़ साहेब के बहाने अपने 2024 के चुनाव को भी साधने की योजना बना ली। धनखड़ साहेब ने इस मिमिक्री को तुरंत ही उपराष्ट्पति और अपने अपमान की जगह पूरे जाट समुदाय और किसानों का अपमान बता दिया। बस फिर क्या, अब सरकार विपक्ष पर जाटों के अपमान का आरोप लगाने लगा। अब बात उपराष्ट्पति की न होकर पूरे जाटों और किसानों की बन गई। क्योंकि इस मुद्दे पर विपक्ष तो घिर ही रहा था, साथ ही भाजपा के 2024 के लोकसभा और हरियाणा विधानसभा का चुनाव भी सध रहा है। अब सत्ता पक्ष द्वारा लगातार किसान और जाटों के अपमान की बात कहने पर विपक्ष ने भी तुरंत अपना दांव चला और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपना दलित कार्ड खेल दिया। खरगे ने कहा कि ऐसे तो उपराष्ट्पित धनखड़ साहेब मुझे राज्यसभा में बोलने ही नहीं देते, तो क्या मैं कह दूं कि मैं दलित हूं इसलिए मुझे नहीं बोलने दिया जाता है। ये पूरे दलित समाज का अपमान है कि हमें अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया जाता है। यानी अब जो बात संसद की सुरक्षा में हुई चूक से शुरू हुई थी, वो अब उपराष्ट्पति के अपमान से होती हुई जाट बनाम दलित पर आकर टिक गई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

धर्म ही मानव को मानव बनाता है

ओंकार नाथ सिंह

पूर्व महासचिव, प्रभारी प्रशासन एवं प्रवक्ता

इसमें कोई दो राय नहीं है कि भगवान कृष्ण पूर्ण अवतार हैं। उन्होंने भगवत गीता में अर्जुन को उपदेश देते हुए कहा कि जब जब धर्म का पतन होता है और अधर्म का उत्थान तब तब मैं उसका नाश करने के लिए अवतार लेता हूं। अब धर्म क्या है इसको समझने की आवश्यकता है। धर्म भारतीय संस्कृति और भारतीय दर्शन की प्रमुख संकल्पना है। धर्म शब्द के समतुल्य पश्चिमी भाषाओं में कोई शब्द ही नही है। धर्म का शाब्दिक अर्थ है धारण करने योग्य। साधारण शब्दों में धर्म के बहुत से अर्थ हैं जैसे कर्तव्य, अहिंसा, न्याय, सदाचरण, सद्गुण आदि। सनातन धर्म में चार पुरुषार्थ स्वीकार किए गए हैंट्ठ 1-धर्म, 2-अर्थ, 3-काम और चौथा मोक्ष। गौतम ऋषि कहते हैं कि जिस काम को करने से अभ्युदय और निस्त्रेयस की सिद्धि हो, धर्म है, अर्थात धर्म ही मानव को मानव बनाता है। इसीलिए मनु ने मानव धर्म के दस लक्षण बताए हैं 1-धृति अर्थात धैर्य, 2-क्षमा, 3-दम अर्थात अपनी वासनाओं पर नियंत्रण रखना, 4-अस्तेय अर्थात चोरी न करना, 5-सोच, 6ट्ठ-इंद्रिय निग्रह अर्थात इंद्रियों को वश में करना, 7-घी अर्थात बुद्धिमत्ता का प्रयोग, 8-विद्या अर्थात अधिक से अधिक ज्ञान की पिपासा,नौवां सत्य और दसवां क्रोध न करना। वात्सायन के अनुसार धर्म मनसा वाचा कर्मणा है।

गीता के नौवें अध्याय के 18वें श्लोक में भगवान कृष्ण ने अर्जुन से कहा है कि मैं ही लक्ष्य, पालनकर्ता,स्वामी, साक्षी, धाम, शरणस्थली,तथा अत्यंत प्रिय मित्र हूं। उन्होंने कहा है कि मैं सृष्टि तथा प्रलय, सबका आधार, आश्रय तथा अविनाशी बीज भी हूं। फिर तो यह मानना चाहिए कि हर समुदाय हिंदू मुसलमान सिख ईसाई जैन बौद्ध किसी भी समुदाय से हो, उनके द्वारा ही बनाया गया है और गीता के नौवें अध्याय के 30वें श्लोक में भगवान ने स्वयं कहा है कि यदि कोई जघन्य से जघन्य कर्म करता है कितु यदि वह भक्ति में रत रहता है तो

उसे साधु मानना चाहिए क्युकी वह अपने संकल्प में अडिग रहता है। भगवान ने गीता में ही कहा है कि वह जिसकी भी पूजा करता है समझो मेरी ही पूजा करता है। फिर तेरा मेरा की कहां गुंजाइश रह जाती है। हो सकता है कि कुछ लोग मेरी बात से सहमत नही हों। असल में हमने विभिन्न पंथों को धर्म मान लिया और सबके भगवान को अलग अलग मान लिया। शायद कम लोगों को मालूम होगा कि अमेरिका में कई गिरजा घर बंद हो गए और उसके स्थान पर मंदिर बन गए हैं पर वहां किसी ने विरोध नही किया। इसी प्रकार अगर हम यह सोचें कि जब मुस्लिम भारत में आए तो उन्होंने भी अपने पूजा स्थलों को यह ध्यान में रख कर मंदिर के समीप या उसके अंदर यह सोच कर उपासना स्थल बनाया होंगा कि उपासना के लिए इससे पवित्र कोई और स्थान नही होगा तो शायद विरोध की गुंजाइश कम हो जाय। इसीलिए भगवान ने गीता में कहा है कि जो भी मानव जिसकी भी पूजा करता है वह मेरी ही पूजा कर रहा है चाहे उसकी पद्धति जैसी भी हो फिर यह तेरा मेरा क्यों? जब बाबरी मस्जिद गिराई गई तब तत्कालीन केंद्र सरकार ने यह अधिनियम जारी किया जिससे देश में इस विरोध को रोका जा सके क्युकी जब मुसलमान भारत में आए तो उन्होंने अधिकांश पूजा स्थलों को तोड़कर ही या उसके समीप ही अपनी मस्जिदें बनाई। कई सौ वर्ष के बाद अगर एक एक करके मस्जिद हटाई जाएंगी तो वैमनस्य बढ़ेगा और देश में अशांति और भय का वातावरण होगा। इसलिए इसका रुकना अत्यंत आवश्यक है और इसी को ध्यान में रखते हुए नरसिम्हा राव की सरकार ने यह अधिनियम पारित किया था। इसलिए यदि वास्तव में एक भारत और श्रेष्ठ भारत की परकल्पना को प्रबल बनाना है तो भगवान कृष्ण के गीता के उपदेशों का पालन करें और देश में अमन चैन बनाए जिससे विकसित और श्रेष्ठ भारत बन सके। यह तभी संभव है जब सरकार अपने राजधर्म का पालन करे।

परिवार केंद्रित चिकित्सा विधा को बढ़ावा मिले

के.के. तलवार

एक पारिवारिक चिकित्सक (फैमिली डॉक्टर) स्वास्थ्य व्यवस्था का अभिन्न अंग होता है। विगत में, भारतीय परिवार का किसी चिकित्सक से जुड़े होना आम चलन था। वह चिकित्सक उस परिवार को स्वास्थ्य सेवाएं देने के अलावा अक्सर पारिवारिक मसलों में भरोसेयोग्य मार्गदर्शक की भूमिका भी निभाया करता था। पश्चिमी देशों में, पारिवारिक चिकित्सक आज भी स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं में काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। सामान्य चिकित्सक वाली व्यवस्था यूके की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में रीढ़ की हड्डी है, जो स्थानीय निवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मुहैया करवाती है। भारत में मेडिकल शिक्षा प्राप्त निकले स्नातक शहरों में पारिवारिक चिकित्सकों की भूमिका में हुआ करते थे तो गांवों में यही काम रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर (आरएमपी) का था। मेडिकल जगत में बहुत ज्यादा तरक्की होने के कारण अब किसी पारिवारिक चिकित्सक के पास केवल एमबीबीएस की डिग्री होना माकूल स्वास्थ्य सेवा देने में काफी नहीं माना जाता। इसलिए मरीज अब मामूली बीमारी में भी ज्यादातर विशेषज्ञ डाक्टरों का रुख करते हैं।

विशेषज्ञ डॉक्टर की महारत किसी खास विधा या बीमारी में होती है, लेकिन वे अतिरिक्त बीमारियों को संभाल नहीं पाते। मसलन, या तो वे समस्या को समग्रता के परिप्रेक्ष्य में समझ नहीं पाते (जिससे बीमारी कई मर्तबा बहुत गंभीर बन जाती है) या फिर वे मरीज को आगे किसी अन्य विशेषज्ञ के पास भेज देते हैं, लिहाजा इलाज में खर्च बढ़ोतरी हो जाती है। हमें जरूरत है उच्च शिक्षित, उच्च कौशलयुक्त किंतु सामान्य अथवा पारिवारिक चिकित्सकों (फैमिली फिजिशियन) की, जो फौरी प्राथमिक और यहां तक कि कुछ माध्यमिक स्वास्थ्य जरूरतों में अपने स्तर पर इलाज करने में सक्षम हों। पारिवारिक चिकित्सक से अपेक्षा है कि उसके पास विभिन्न रोगों की समझ हो ताकि हरेक उम्र और बीमारी के मरीज को बृहद स्वास्थ्य देखभाल दे पाए। जरूरत पड़ने पर वह मरीज को संबंधित विशेषज्ञ के पास भेज सकता है।

युक्तम स्वास्थ्य देखभाल देने के आलोक में, यथेष्ट मानव-बल और बुनियादी ढांचा का होना जरूरी है। सालों तक, सरकार और मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (जो अब नेशनल मेडिकल कमीशन है), दोनों ने अधिक संख्या में मेडिकल कॉलेज सुनिश्चित करने को कदम उठाए हैं। अब इनकी संख्या 700 से अधिक हो गई है, और यह सब मिलकर हर साल एमबीबीएस कोर्स में 1 लाख से अधिक सीटों पर दाखिले की क्षमता रखते हैं। स्नातकोत्तर सीटों की संख्या भी बढ़कर लगभग 70,000 हो गई है। हालांकि, विभिन्न विशेषज्ञ कोर्स में भी सीटों की गिनती बढ़ी है लेकिन एमडी (फैमिली मेडिसिन) कोर्स में सीटें बढ़ाने की कोई कोशिश नहीं की गई। प्रभावशाली वैश्विक स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाने में पारिवारिक व सामान्य चिकित्सक वर्ग की भूमिका बहुत अहम है, जिससे कि सामान्य किस्म की बीमारी के इलाज के लिए विशेषज्ञों पर बेजा बोझ न पड़े। इसके अलावा, पारिवारिक चिकित्सक जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों के साथ तालमेल बनाकर अपने स्तर पर इलाज कर सकता है।

पारिवारिक चिकित्सक विधा (एमडी फैमिली मेडिसिन) में स्नातकोत्तर डिग्री होने की जरूरत का अहसास एमसीआई और नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन को सालों पहले हो गया था लेकिन दुर्भाग्यवश, इस मामले पर आगे काम नहीं हुआ। यह साल 2021 था जब एमसीआई ने मेडिकल कॉलेजों को फैमिली मेडिसिन विधा में एमडी कोर्स शुरू करने की अनुमति दी। इससे पहले एनबीई ने कुछ अस्पतालों में यह कोर्स चलाने का अनुमोदन कर दिया था। वर्ष 2011-22 के बीच एमसीआई बोर्ड ने इस मुद्दे पर विचार किया और एक सटीक पाठ्यक्रम तैयार करवाया और फैमिली मेडिसिन के लिए आवश्यक न्यूनतम मानकों को तय किया। इसकी जानकारी सरकार को दे दी गई। यह सोचा गया कि पहले पहल मेडिसिन विभाग के अध्यापक बतौर समन्वयक पढ़ाई करवाएंगे और एमडी (फैमिली) रेजिडेंट्स को पढ़ाने में अन्य संबंधित विधाओं के शिक्षकों को भी शामिल किया जाएगा ताकि शुरुआती दौर में अलग से विभाग बनाने की जरूरत न पड़े।

यह भी सलाह दी गई कि एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम व पाठ्यक्रम उन एमबीबीएस डॉक्टरों के लिए हो, जो पांच साल से लगातार इलाज कर रहे हैं जिससे प्रशिक्षण अवधि में अमूमन दो साल बच पाएंगे। ऐसा होने पर, न केवल समाज में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ जाती बल्कि पारिवारिक या सामान्य चिकित्सक रहते हुए, नया कौशल सीखकर उन्हें और अधिक प्रभावशाली इलाज करने की काबिलियत मिल जाती। एनएमसी को अब प्रभावशाली फैमिली मेडिसिन फिजिशियन बनाने हेतु पाठ्यक्रम और न्यूनतम मानक तय करने पर पुनर्विचार करना चाहिए। अहम यह कि नियामकों को सुनिश्चित करना होगा कि फैमिली मेडिसिन में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री हासिल करने वाले को डीएम (डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन) कोर्स करने में दाखिले की योग्यता खुद-ब-खुद मान्य न होने पाए। अन्यथा, यह प्रावधान एमडी (मेडिसिन) उत्तीर्ण न करने वालों के लिए पिछला रास्ता बन जाएगा क्योंकि एमडी (मेडिसिन) और एमडी (फैमिली मेडिसिन) दो अलग विधाएं हैं और इनका पाठ्यक्रम भी नितांत अहलदा है। फैमिली मेडिसिन की पढ़ाई चुनने के लिए स्नातकों को प्रोत्साहित करने में यह कदम उठाना बहुत जरूरी है।

सर्दियों में रोजाना खाएं भीगे हुए अंजीर

हाई बीपी करे कंट्रोल

हाई बीपी को कंट्रोल करने में पोटेशियम अहम भूमिका निभाता है। अगर आप हाई बीपी से परेशान रहते हैं, तो अंजीर को अपनी डाइट का जरूर हिस्सा बनाएं। इसे खाने से बीपी का स्तर सामान्य रहता है। इसमें कई ऐसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो हार्ट के लिए हेल्दी होते हैं। अंजीर में कैल्शियम, सोडियम, आयरन, पोटैशियम, विटामिन्स, मैंगनीज, एंटीऑक्सीडेंट, ओमेगा फैटी एसिड होते हैं, जो सेहत को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं। चूंकि, अंजीर में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है और सोडियम कम, ऐसे में इसे खाने से शरीर में दोनों का बैलेंस बना रहता है। अंजीर खाने से शरीर के महत्वपूर्ण नसों, हृदय धमनियों का काम सही तरीके से होता है। इससे उच्च रक्तचाप की समस्या नहीं होती है।

अंजीर एक बेहद ही पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक फल है। इसे अंग्रेजी में फिग कहते हैं। अंजीर का फल और सूखा अंजीर दोनों ही खाना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। सर्दियों में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह की चीजें खाने की सलाह दी जाती है। इस मौसम में अंजीर खाने के भी बड़े फायदे हैं। इसे सुपरफूड के रूप में भी जाना जाता है। आप सर्दियों में अपने दिन की शुरुआत अंजीर से कर सकते हैं। इसे रात में एक कप पानी में भिगो दें और अगले दिन इसे खाएं। चाहें तो आप इसे अन्य ड्राई फ्रूट्स के साथ भी खा सकते हैं। अंजीर में विटामिन-ए, पोटैशियम, फाइबर जैसे तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसकी कई प्रजातियां दुनिया भर में मौजूद हैं। अंजीर में कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं जैसे फाइबर, प्रोटीन, ऊर्जा, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, फोलेट, मैग्नीशियम आदि। यदि आपको मीठा खाने की क्रेविंग होती है, तो आप अंजीर का सेवन कर सकते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद

सर्दियों में डायबिटीज के मरीजों को अपनी डाइट में अंजीर शामिल करना चाहिए। इसे खाने से रक्त शर्करा के स्तर में सुधार होता है। इसमें पाए जाने वाले एब्सिसिक एसिड, मैलिक एसिड और क्लोरोजेनिक एसिड जैसे यौगिक ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। अंजीर फल या फिर सूखा अंजीर का सेवन कर सकते हैं। इसमें मौजूद नेचुरल शुगर नुकसान नहीं पहुंचाता है। अंजीर खाकर आप डायबिटीज के होने के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

ग्लोइंग स्किन

अंजीर में विटामिन-सी, विटामिन-ई और विटामिन-ए पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। जो स्किन के लिए जरूरी हैं। अंजीर खाने से आपकी त्वचा को पोषण मिलता है, इसलिए सर्दियों में त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए अंजीर खा सकते हैं। इसके लिए अंजीर को रातभर पानी में भिगोकर रख दें और अगले दिन सुबह अच्छे से ग्राइंज करके इसे पीस लें। इसके बाद इसमें 2 से 3 बूंदें बादाम का तेल डालें और दोनों सामग्री को अच्छे से मिक्स कर लें और अपने चेहरे पर लगाएं। थोड़ी देर बाद में नॉर्मल पानी से अपना चेहरा साफ कर लें। ऐसा करने से आपकी स्किन पर निखार आएगा। इसके लिए सबसे पहले अंजीर के पेस्ट में 1 चुटकी हल्दी और एलोवेरा जेल मिक्स कर लें। इसके बाद इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं। लगाने के बाद करीब 20 से 25 मिनट बाद नॉर्मल पानी से अपने चेहरे को धो लें। ऐसा करने से स्किन की रंगत साफ होगी।

पाचन तंत्र रहेगा दुरुस्त

जिन लोगों को कब्ज की समस्या है, उनके लिए अंजीर रामबाण इलाज हो सकता है। इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, इसे खाने से मल त्यागने में मदद मिलती है। जिससे आप कब्ज से राहत पा सकते हैं। इसके अलावा अंजीर पेट में गुड बैक्टीरिया को भी बढ़ावा देने में मदद करता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

अंजीर खाने से हड्डियों के स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है। इसमें मौजूद कैल्शियम और फास्फोरस हड्डियों के विकास में सहायक है। खाली पेट अंजीर का सेवन करने से शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा कर सकते हैं। यह हड्डियों की सेहत के लिए बहुत ही अच्छा होता है। अंजीर खाने से बुढ़ापे में भी हड्डियां मजबूत रहती हैं।

हंसना मना है

मछली जल की रानी है-इसका नया वर्जन.. पत्नी घर की रानी है, करती अपनी मनमानी है, काम बताओ तो चिढ जाएगी, शॉपिंग कराओ तो खिल जाएगी।

1 युग था जब लोग अपने घर के दरवाजे पे, लिखते थे- अतिथी देवो भव, फिर लिखा - शुभ लाभ, फिर लिखा- यू आर वेलकम और अब - कुत्तों से सावधान!

अगर बीवी अपनी साड़ी का पल्लू अपनी कमर में ठूस ले तो समझ जाओ की, या तो वो घर का काम निपटाएगी, या फिर आपको!

प्रेमिका- तुमको पता है कल मेरा बर्थडे है? मुझे क्या गिफ्ट दोगे? प्रेमी- जो तुम चाहो मेरी जान.. प्रेमिका- रिंग? प्रेमी- ठीक है रिंग दूंगा पर उठाना मत, बैलेंस बहुत कम है।

दो पंडितों में लड़ाई हो रही थी, उन्हें लड़ते बहुत देर हो गयी, तीसरा पंडित- क्या हुआ, क्यों लड़ाई कर रहे हो? एक पंडित बोला, जब मैं लहसुन, प्याज नहीं खाता, तो इस साले ने चिकन में डाला ही क्यों?

वेटर-म्याम, आप कुछ लेंगी? लड़की- भैया एक सब्जी वाली रोटी लाना.. वेटर- क्या? लड़का- गांव से आयी है, पिज्जा वाली रोटी मांग रही है।

कहानी | उबासी की सजा

तेनालीराम को रानी तिरुमाला ने संदेश भिजवाया कि वह बड़ी मुश्किल में हैं और उनसे मिलना चाहती हैं। तेनालीराम तुरंत रानी से मिलने पहुंच गए। तेनालीराम ने कहा, रानी जी! आपने इस सेवक को कैसे याद किया? इस पर रानी तिरुमाला ने कहा, हम एक बड़ी मुश्किल में फंस गए हैं। तेनालीराम ने कहा, आप किसी भी तरह की चिंता बिल्कुल न करें और मुझे बताएं कि आखिर बात क्या है? रानी ने कहा, दरअसल महाराज हमसे बहुत नाराज हैं। तेनालीराम ने कहा, लेकिन क्यों? आखिर ऐसा क्या हुआ? रानी ने बताया, एक दिन महाराज हमें एक नाटक पढ़कर सुना रहे थे और तभी अचानक हमें उबासी आ गई, बस इसी बात से नाराज होकर महाराज चले गए। रानी ने कहा, तब से महाराज मेरे पास नहीं आए हैं। मैंने माफी भी मांग ली थी, लेकिन महाराज पर इसका कोई असर नहीं हुआ। अब तुम्हीं मेरी इस समस्या का समाधान बता सकते हो। तेनालीराम ने कहा, आप बिल्कुल भी चिंता न करें महारानी! महारानी को समझा-बुझाकर तेनालीराम दरबार जा पहुंचे। महाराज कृष्णदेव राय राज्य में चावल की खेती को लेकर मंत्रियों के साथ चर्चा कर रहे थे। महाराज मंत्रियों से कह रहे थे, हमारे लिए राज्य में चावल की उपज बढ़ाना आवश्यक है। हमने बहुत प्रयास किए। हमारी कोशिशों से स्थिति में सुधार तो हुआ है, लेकिन समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। तभी तेनालीराम ने चावल के बीजों में से एक-एक बीज उठाकर कहा, महाराज अगर इस किस्म का बीज बोया जाए, तो इस साल उपज कई गुना बढ़ सकती है। महाराज ने पूछा, क्या ये बीज इसी खाद के जरिए उपजाया जा सकता है? तेनालीराम ने कहा, हां महाराज! इस बीज को बोने के लिए और कुछ करने की जरूरत नहीं है, परन्तु! क्या तेनालीराम? तेनालीराम ने जवाब दिया, शर्त यह है कि इस बीज को बोने, सींचने और काटने वाला व्यक्ति ऐसा होना चाहिए, जिसे जीवन में कभी उबासी न आई हो। यह बात सुनकर महाराज ने भड़कते हुए कहा, तेनालीराम! तुम्हारे जैसा मूर्ख व्यक्ति मैंने आज तक नहीं देखा। क्या संसार में ऐसा कोई होगा जिसे कभी उबासी न आई हो। तेनालीराम ने कहा, ओह! मुझे माफ करें महाराज! मुझे नहीं पता था कि उबासी सब को आती है। मैं ही नहीं, महारानी जी भी यही समझती हैं कि उबासी आना बहुत बड़ा अपराध है, मैं अभी जाकर महारानी जी को भी यह बात बताता हूं। पूरी बात महाराज की समझ में आ गई। वे समझ गए कि तेनालीराम ने यह बात उन्हें सही रास्ता दिखाने के लिए कही थी। उन्होंने कहा, मैं खुद जाकर यह बात महारानी को बता दूंगा। महाराज तुरंत महल जाकर रानी से मिले और उनके साथ सभी शिकायतों को दूर कर दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

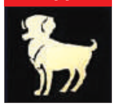

आज आप काम की दृष्टि से व्यस्त ज्यादा रहेंगे, लेकिन सारे काम शाम तक आसानी से निपट जायेंगे। जीवनसाथी आज अपने साथी को कोई रिंग उपहार में दे सकते हैं।

वृषभ

आज के दिन आपको भावुकता में निर्णय लेने से बचना होगा। घर अथवा व्यवसाय कहीं पर भी यदि कोई निर्णय लेना पड़े, तो उसे भावुकता में बिल्कुल ना लें।

मिथुन

आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहने वाला है। छोटी-छोटी बातों में भी आज आपको खुशी तलाशने का अवसर मिलेगा। जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं।

कर्क

आज संतान की नौकरी में तरक्की देख आपके मन में प्रसन्नता होगी व सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को भी आज कुछ बेहतर अवसर हाथ आएंगे।

सिंह

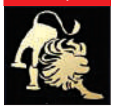

आज आपका दिन सामान्य से थोड़ा बेहतर रहेगा। आज आप घरवालों के साथ ज्यादा समय बितायेंगे। बच्चे घर के कामों में माता की मदद करेंगे।

कन्या

आपको अपने गुप्त शत्रुओं से सावधान रहना होगा, क्योंकि आपकी धन प्राप्ति के मार्ग में बाधा डाल सकते हैं, इसलिए यदि आज आपकी कोई तरक्की होगी।

तुला

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आर्थिक रूप से आपको सफलता मिलेगी। आज आप खुद को स्वस्थ्य महसूस करेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए निवेश के मामले में सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज आपके घर परिवार में किसी मेहमान के आगमन से आपका धन खर्च बढ़ सकता है।

धनु

आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। माता-पिता के सहयोग से आपको जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता मिलेगा। मानसिक रूप से खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

मकर

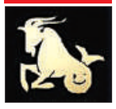

आज का दिन आपको कुछ स्वास्थ्य समस्याएं अपनी चपेट में ले सकती हैं, इसके कारण आप परेशान रहेंगे, इसलिए आज आपको अपने खान-पान पर भी नियंत्रण बरतना होगा।

कुम्भ

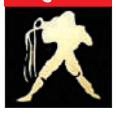

आज आपका दिन पहले से थोड़ा बेहतर रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है। संगीत और कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़े प्लेटफार्म पर जाने का अवसर मिलेगा।

मीन

आज नौकरी कर रहे जातकों को अपने अधिकारियों से मान सम्मान प्राप्त होता दिख रहा है। आज आप अपने व्यवसाय के लिए भी कुछ योजनाएं बनाएंगे।

स्टारडम मिलते ही तृप्ति डिमरी की लव लाइफ से कर्णेश शर्मा की छुट्टी

फिल्म एनिमल में अभिनेता रणबीर कपूर और बॉबी देओल के दमदार अभिनय की खूब तारीफ हो ही रही है वहीं फिल्म फिल्म में अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने भी अपने बिंदास अभिनय और रहस्यमयी किरदार से लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। इस फिल्म में रणबीर कपूर के साथ उनकी ऑन स्क्रीन केमेस्ट्री की खूब चर्चा हो रही हैं। इस फिल्म की सफलता के बाद तृप्ति डिमरी के करियर में काफी बदलाव आया है और उन्हें बड़े-बड़े प्रोजेक्ट भी ऑफर हो रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि तृप्ति डिमरी ने अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के भाई कर्णेश शर्मा से ब्रेकअप करके गोवा के एक

बिजनेसमैन के साथ नजदीकियां बढ़ानी शुरू कर दी है।

फिल्म एनिमल की सफलता से अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के करियर में बड़ा बदलाव आया है। फिल्म में रणबीर कपूर के साथ उनकी ऑन स्क्रीन केमेस्ट्री की जहां खूब चर्चा हो रही है, वहीं उन्हें नेशनल क्रश का टैग भी मिल चुका है। तृप्ति डिमरी कहती हैं, इस फिल्म की सफलता के बाद से मेरे फोन की घंटी लगातार बज रही है, लोगों का मुझे बहुत प्यार मिल रहा है। जो हमेशा एक अच्छा अहसास होता है। चर्चाएं हैं कि फिल्म एनिमल की सफलता को एन्जॉय कर रही तृप्ति डिमरी ने अब अपने बॉयफ्रेंड कर्णेश शर्मा से दूरियां बनानी शुरू कर दी है। कहा ये भी जा रहा है कि तृप्ति डिमरी का दिल इन दिनों गोवा के एक बिजनेसमैन मैन पर आया हुआ है।

बॉलीवुड मन की बात

मुझे एनिमल जैसी बोल्ड फिल्में करना पसंद नहीं है : अरशद

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म एनिमल रिलीज के बाद से ही चर्चाओं का विषय बनी हुई है। फिल्म ने घरेलू समेत वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता का परचम लहरा दिया है। हालांकि, मूवी को लेकर दो विचार बन गए हैं। कोई फिल्म की तारीफें करते नहीं थक रहा है, तो कोई इसके कथानक की दिल खोलकर बुराइयां कर रहा है। इसी कड़ी में मनोरंजन जगत के तीन सितारे, मनोज बाजपेयी, अपारशक्ति खुराना और अरशद वारसी ने एनिमल को लेकर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी है, जो सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय बन गया है। हाल ही में एक गोलमेज बैठक में अरशद वारसी, मनोज बाजपेयी और अपारशक्ति खुराना ने फिल्म के बारे में अपने विचार साझा किए और जवाब दिया कि क्या वे एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ काम करेंगे। एनिमल के बारे में अपने विचार साझा करते हुए, अरशद ने हालिया इंटरव्यू में कहा, सभी गंभीर कलाकार फिल्म से नफरत कर सकते हैं, लेकिन मुझे फिल्म पसंद है। यह किल बिल के पुरुष संस्करण जैसा था। जब पूछा गया कि क्या वे भविष्य में संदीप के साथ काम करेंगे, तो मनोज ने कहा, आप सिर्फ फिल्म निर्माता के नाम पर नहीं जा सकते, बल्कि आपको यह देखना होगा कि क्या पेशकश की जा रही है। अगर सब कुछ ठीक है तो हम फिल्म क्यों नहीं कर सकते? अरशद ने कहा, ऐसी चीजें हैं जिन्हें हम देखना पसंद करते हैं लेकिन करना नहीं। उस ब्रैकेट में एनिमल आएगा। उदाहरण के लिए, जब इंद्र कुमार ने मुझे ग्रैंड मस्ती करने के लिए बुलाया, तो मुझे इस तरह की फिल्में पसंद नहीं हैं। मुझे एडल्ट कॉमेडी पसंद नहीं है। मुझे इसे देखने में कोई आपत्ति नहीं है, यह मजेदार है लेकिन मैं इसे करना नहीं चाहता। इसलिए, एक दर्शक के रूप में मैं इसे देखना पसंद करता हूं, लेकिन एक अभिनेता के रूप में मैं ऐसा नहीं करना चाहता। मुझे बोल्ड कंटेंट पसंद है लेकिन मैं उसका हिस्सा नहीं बनना चाहता।

एडल्ट फिल्मों पर अभिनेता आमिर ने रखी अपनी राय, कहा-

कहानी के आधार पर चलती है फिल्म

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता आमिर खान पिछले 3 दशकों से बॉक्स ऑफिस पर राज करते नजर आ रहे हैं, भले ही पिछली कुछ फिल्में उनकी फ्लॉप साबित हुई हों, लेकिन आमिर जैसे एक्टर फिल्म इंडस्ट्री में कम ही हैं। इसी बीच एक्टर ने मीडिया के साथ बातचीत में सामने आकर एडल्ट फिल्मों पर अपने विचार रखे हैं।

आमिर खान ने एडल्ट फिल्मों पर बताया कि जब हम फिल्में बनाते हैं, तो एडल्ट वर्ग को देखकर ही फिल्म बनाते हैं, क्योंकि आज के समय में इस उम्र के दर्शक ही फिल्म देखते हैं। गाली, सेक्स और हिंसा वाली फिल्मों के चलन पर आमिर खान ने कहा, मुझे नहीं लगता कि फिल्मों में इस तरह का कभी चलन बनेगा। एक डायरेक्टर को एडल्ट फिल्म बनाने के लिए बहुत साहस और हिम्मत की जरूरत होती है । डायरेक्टर्स जानते हैं कि इस तरह की फिल्मों को देखने के लिए दर्शक सिनेमाघरों में नहीं आएंगे, इस तरह की फिल्मों को बनाना एक मुश्किल फैसला होता है। इंटरव्यू में आगे एक्टर ने कहा, मेरे हिसाब से फिल्में ना तो गाली पर, ना ही सेक्स और हिंसा पर चलती है। फिल्मों में चाहें आप कितनी भी इस तरह की चीजें डाल दीजिए, दर्शकों को जब तक फिल्म की कहानी, सीन और किरदार अच्छे नहीं लगेंगे, तब तक फिल्म नहीं चलेगी। फिल्म कहानी पर टिकी होती है । कहानी अच्छी होगी, तो फिल्म को हिट होने से कोई नहीं रोक सकता ।

फिल्म फ्लॉप होने के बाद लिया था ब्रेक

आमिर खान आखरी बार लाल सिंह चड्ढा में नजर आए थे । फिल्म में उनके साथ करीना कपूर बतौर लीड एक्ट्रेस थीं । मगर ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खासी कमाई नहीं कर पाई थी और दर्शकों भी कम पसंद आई थी । फिल्म की असफलता के बाद एक्टर काफी लंबे समय तक एक्टिंग से दूर थे । मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आमिर खान इस बार डायरेक्टर आरएस प्रसन्ना के साथ काम करने वाले हैं । एक्टर फिल्म की शूटिंग 29 जनवरी 2023 से शुरू कर सकते हैं ।

यहां हर 6 महीने में बदल जाती है लोगों की नागरिकता

दुनिया का हर देश अपने यहां रहने वालों को नागरिकता देती है । किसी देश के लीगल नागरिक को ही उस देश की सारी सुविधाओं का लाभ मिलता है । किसी भी देश की सिटिजनशिप के लिए कई तरह के क्राइटेरिया पुरे करने प?ते हैं । भारत में रहने वाला नागरिक अपनी सिटिजनशिप तब खो देता है जब वो किसी और देश की नागरिकता अपना लेता है । लेकिन आज हम आपको एक यूनिक देश के बारे में बताने जा रहे हैं । इस देश में रहने वाले लोगों की नारिकता हर 6 महीने में बदल जाती है । हम बात कर रहे हैं फ्रांस और स्पेन के बॉर्डर पर बसे Pheasant आइलैंड की । स्पेन और फ्रांस के साथ अपने बॉर्डर शेयर करने वाले इस आइलैंड की एक अनोखी प्रथा है । इस आइलैंड पर रहने वाले लोग हर 6 महीने में अपनी नागरिकता खो देते हैं । साल के 6 महीने ये लोग स्पेन के नागरिक बन जाते हैं और बाकी के 6 महीने फ्रांस के। इसके लिए स्पेन और फ्रांस के बीच एक ट्रीटी साइन की गई थी । उसी के आधार पर नागरिकता का ये बदलाव किया जाता है। इस आइलैंड को द ट्रीटी ऑफ द पायरेनीस के कारण हर 6 महीने में दोनों देशों में बांटा जाता है। इसके लिए फ्रांस के राजा ने स्पेन के राजा की बेटी से शादी की थी। तब से लेकर अब तक करीब साढ़े तीन सौ से अधिक बात यहां के लोगों की नागरिकता बदल चुकी है। ये लोग फरवरी से जुलाई तक स्पेन के नियम मानते हैं। इसके बाद अगस्त से जनवरी के अंत तक यहां फ्रांस का राज चलता है।

अजब-गजब शायद ही किसी के पास होगा इस सवाल का जवाब

क्या आप जानते हैं जिस शख्स ने घड़ी बनाई, उसने कहां से मिलाया होगा समय?

घड़ी इस दुनिया का आविष्कार बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि घड़ी ने हमें ठीक समय जानने में मदद की । बिना घड़ी के रहना कितना मुश्किल होता होगा । पर क्या आपने कभी सोचा है कि जिस व्यक्ति ने सबसे पहले घड़ी बनाई होगी, उसने सही समय डालने के लिए उसे किससे मिलाया होगा? अगर आपके दिमाग में भी ये खयाल कभी आया है, तो आप सही जगह आ गए हैं, क्योंकि हम इसी सवाल पर चर्चा करने जा रहे हैं ।

हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर किसी ने सवाल किया- जिसने घड़ी बनाई उसने समय कहां से मिलाया? कुछ लोगों ने इसके बारे में जवाब दिया है।

विशाल सिंह नाम के यूजर ने कहा कि सूर्य के जरिए ही समय को नापा होगा। अरविंद व्यास नाम के यूजर ने काफी विस्तार से इसका जवाब दिया है जिसका सार यही निकलता है कि पहले सूरज से समय को मापा जाता था। ऐसे में घड़ी बनाने वाले ने भी ऐसा ही किया होगा। पर इसका जवाब इतना आसान नहीं है। इस सवाल का जवाब जानने के लिए घड़ियों का इतिहास जानना भी जरूरी है। हिस्ट्री ऑफ वॉच वेबसाइट के अनुसार जर्मनी के पीटर हेनलेन को आधुनिक घड़ियों के पितामाह के रूप में देखा जाता है। उनका जन्म 1485 में हुआ था। वो ताला बनाने का काम किया करते थे। उन्होंने सबसे पहली घड़ी 1510 में बनाई थी। तब से वो चर्चा में आ गए ।

पर उससे पहले की घड़ियों को सूर्य से नापा जाता था। माना जाता है कि मिस्र और बेबिलोनिया में सन डायल के जरिए घड़ी का निर्माण हुआ। पानी की घड़ियां और मरकरी से भी घड़ियां बनीं। सन डायल में डंडे की परछाई जिस ओर पड़ती थी, उसके अनुसार समय का अंदाजा लगा लिया जाता था। किसी विश्वसनीय सोर्स में इस बात की जानकारी तो नहीं दी है कि घड़ी बनाने वाले ने किस चीज से समय मिलाया होगा, पर सारे तथ्यों को आंकलन करने के बाद इस सवाल का सबसे उपयुक्त जवाब यही लग रहा है कि सूर्य की दिशा का प्रयोग कर ही समय का प्रयोग किया गया होगा, क्योंकि समय नापने के उपरण मॉडर्न घड़ी से पहले ही मौजूद थे।

2024 में उखाड़ फेकेंगे भाजपा सरकार: अजय राय

पूरे प्रदेश में कांग्रेस की 'यूपी जोड़ो यात्रा' शुरू, यूपी अध्यक्ष ने कहा- किसानों की समस्या पर कान बंद कर लेती है प्रदेश सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 20 दिसंबर से उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने पूरे प्रदेश में यूपी जोड़ो यात्रा की शुरूआत की है। ये यात्रा यूपी कांग्रेस के मुखिया अजय राय के नेतृत्व में शुरू हुई है। इस यात्रा के जरिए कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले प्रदेश में अपनी जमीन को मजबूत बनाने की कोशिश करेगी। प्रसिद्ध सिद्धपीठ शाकुंभरी मंदिर पर पूजा अर्चना से शुरू हुई ये यूपी कांग्रेस की सुनियोजित 'यूपी जोड़ो यात्रा' प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजय राय के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में घूमेगी। यात्रा पहले दिन बेहट होते हुए गंगोह नगर पालिका के गणेश शंकर विद्यार्थी चौक पर समाप्त हुई।

यात्रा के अंत में गणेश शंकर विद्यार्थी चौक पर सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा की उत्तर प्रदेश में आम आदमी की सरकार नहीं है। भाजपा सरकार किसानों की समस्या पर कान बंद कर लेती है, वो गन्ना किसानों को सही मूल्य नहीं दे पा रही, भाजपा बलात्कारियों को चुनाव में टिकट देती है, पेट्रोल-गैस के दाम लगातार बढ़ाती है लेकिन रोजगार के अवसर नही।

अजय राय ने कहा की राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरणा लेकर यूपी जोड़ो यात्रा शुरू की गई है जो लखनऊ के शहीद स्मारक पर खत्म होगी, अगर आप लोगों ने इसी तरह हमारा साथ दिया तो 2024 में भाजपा सरकार को हम उखाड़ फेकेंगे।

'यूपी जोड़ो यात्रा को मिला अपार जनसमर्थन'

कांग्रेस का संदेश लेकर सड़क पर उतरे प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को यात्रा के पहले दिन अपार जन समर्थन मिला। जगह-जगह पार्टी कार्यकर्ता और आम जनता ने घरों से निकल कर फूल मालाओं और पंखुड़ियों से उनका स्वागत किया। गंगोह नगर पालिका से जब यात्रा गुजरी तो विशेष तौर पर महिलाएं अजय राय का स्वागत करने घरों से निकली। इस अवसर पर यात्रा में मौजूद कांग्रेस प्रवक्ता पुनीत पाठक ने बताया की यात्रा में नेता विधान मंडल श्रीमती आराधना मिश्रा मोना, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व विधायक इमरान, पूर्व सांसद राजेश मिश्रा, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, राष्ट्रीय सचिव, धीरज गुर्जर, तौकीर आलम, प्रदीप नरवाल, संगठन महासचिव सचिव अनिल यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी, प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, पूर्व विधायक विवेक बंसल, विवेकानंद पाठक, यूपी जोड़ो यात्रा मीडिया प्रभारी,पूर्व राज्यमंत्री सीपी राय, प्रवक्ता अंशू अवस्थी, सचिन रावत, अभिमन्यु त्यागी, कुंवर निषाद, तमजीद अहमद, राजकुमार मौर्य, अनिल यादव, विदित चौधरी, शाहनवाज आलम, सहित सभी वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

सोनिया और खरगे को राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए मिला निमंत्रण

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी को 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए निमंत्रण मिला है। सूत्रों के अनुसार, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा कांग्रेस नेताओं को निमंत्रण दिया गया है। हालांकि, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के समारोह में शामिल होने की संभावना कम है। सूत्रों ने बताया कि समारोह के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और एचडी देवेगौड़ा को भी निमंत्रण भेजा गया है। निमंत्रण ट्रस्ट से जुड़े लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा दिया गया है। सूत्रों ने कहा कि खरगे, सोनिया गांधी और चौधरी को व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण भेजा गया है। आने वाले दिनों में अन्य विपक्षी नेताओं को भी निमंत्रण भेजे जाने की संभावना है।

राजभर के सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ पत्र दाखिल, कोर्ट ने दिया रिपोर्ट भेजने का आदेश

लखनऊ। पूर्व मंत्री व वर्तमान विधायक ओम प्रकाश राजभर के सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ दर्ज वाद में आशुतोष कुमार (वादी) ने अग्रिम विवेचना हेतु प्रार्थना पत्र न्यायालय में दाखिल किया। वादी ने बताया कि सात दिसंबर को जाम के दौरान पूर्व मंत्री व वर्तमान विधायक ओम प्रकाश राजभर के काफिले के लोगों ने उसे बंदूकों के बट व लात-घूंसों से पीटा था। विधायक के इशारे पर उसके साथ मारपीट में उसे काफी चोटें आईं थीं। उक्त प्रकरण की रिपोर्ट थाना पीजीआई द्वारा असंज्ञेय अपराध (एनसीआर) के रूप में लिखी जा चुकी है। उक्त प्रकरण की विवेचना की जानी आवश्यक है। न्यायालय ने वादी के दिए प्रपत्रों का अवलोकन कर थानाध्यक्ष पीजीआई को विवेचना कर रिपोर्ट भेजने का आदेश दिया।

दिव्यांग लोगों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग न करें नेतागण: चुनाव आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सभी नेताओं से दिव्यांग लोगों के लिए सार्वजनिक भाषण में अपमानजनक शब्दों का प्रयोग नहीं करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी के नेता या उनके प्रतिनिधियों द्वारा भाषण में ऐसे शब्दों का उपयोग करना उनके लिए (दिव्यांग लोगों) अपमान समझा जाएगा। बुधवार को एक एडवाइजरी जारी करते हुए पोल पैनेल ने कहा कि चुनाव आयोग ने विशेष रूप से दिव्यांगजनों की समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए समावेशी चुनाव के लिए एक गैर-परक्राम्य प्राथमिकता रखी है। चुनाव में समावेशिता के सिद्धांत को बढ़ावा देने के लिए आयोग प्रयास कर रहा है।

'कोरोना के नए वेरिएंट से घबराने की जरूरत नहीं'

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- प्रदेश का स्वास्थ्य महकमा हर परिस्थिति से निपटने को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का कहना है कि कोरोना के नए सब वेरिएंट से घबराने की जरूरत नहीं है। प्रदेश का स्वास्थ्य महकमा हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडविया की अध्यक्षता में देश के सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों की वर्चुअल बैठक में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदेश की स्थिति से वाकिफ कराया।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के हर अस्पताल में आक्सीजन से लेकर अन्य सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली गई हैं। व्यापक स्तर पर जांच कराया जा रहा है, लेकिन अभी तक कोई मरीज नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर सामने आने वाले केस में कोरोना का कोई नया वैरिएंट नहीं मिला है बल्कि यह सब वैरिएंट हैं। इससे घबराने की जरूरत नहीं है।

गाजियाबाद में मिला केस

सात महीने बाद गाजियाबाद में कोरोना का पहला केस मिला है। निजी चिकित्सक ने निजी लैब में मरीज की जांच कराई है, जिसमें कोविड पॉजिटिव रिपोर्ट आई है। स्वास्थ्य विभाग ने मरीज और उसके परिवार से सभी सदस्यों का सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिया है।

एसजीपीजीआई पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री, उच्च स्तरीय जांच के दिये निर्देश

एसजीपीजीआई में सोमवार को आग लगने से दो लोगों की मौत के बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक संस्थान पहुंचे। चिकित्साधिकारियों के साथ दुर्घटनास्थल पर जाकर उन्होंने मामले की जानकारी ली और उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की बात कही। डिप्टी सीएम ने बताया कि फिलहाल दुर्घटनास्थल सील कर दिया गया है। सफाई कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट से घटना के कारणों का पता चलेगा। सरकार ने पीजीआई सहित प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों व ऑपरेशन थियेटरों का फायर ऑडिट कराने का निर्देश दिया है।

टीडीपी के साथ गठबंधन करेगी पवन कल्याण की जन सेना पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। जन सेना पार्टी प्रमुख पवन कल्याण ने आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए मोर्चा संभाल लिया है। पवन कल्याण ने जहां आगामी विधानसभा चुनाव में टीडीपी गठबंधन की जीत के दावे किए वहीं जगन मोहन रेड्डी सरकार पर भी कई हमले किए।

पवन कल्याण ने दावा किया कि 2024 के विधानसभा चुनाव में जन सेना और टीडीपी मिलकर सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी तब तक टीडीपी के साथ गठबंधन में रहेगी जब तक आंध्र प्रदेश का भविष्य उज्जवल नहीं हो जाता।

तेलंगाना के पास रोजमर्रा के खर्च को भी नहीं हैं पैसे: उपमुख्यमंत्री

डिप्टी सीएम भट्टी ने कहा-ऋण चुकाने का भी बढ़ा बोझ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में कांग्रेस की नई सरकार ने बुधवार को राज्य विधानसभा में वित्तीय स्थिति पर एक श्वेत पत्र पेश किया। उस दौरान राज्य के उपमुख्यमंत्री व सरकार में वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य के पास दैनिक खर्चों को पूरा करने के लिए भी पैसा नहीं है।

तेलंगाना पर चालू वित्त वर्ष (2023-24) के अंत तक 6.71 लाख करोड़ रुपये का बकाया कर्ज होगा। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले राज्य पर कुल 72,658 करोड़ रुपये का कर्ज था। बढ़ते कर्ज के लिए पिछले 10 वर्षों के दौरान पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार की वित्तीय अनुशासनहीनता को जिम्मेदार ठहराया। विक्रमार्क ने तेलंगाना के वित्त पर संक्षिप्त चर्चा शुरू करने के लिए 42 पन्नों का श्वेत पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि श्वेत पत्र का उद्देश्य राज्य की वित्तीय स्थिति से संबंधित तथ्यों को लोगों के सामने रखना है, जो वर्तमान सरकार को विरासत में मिले हैं।

श्वेत पत्र के अनुसार, बजट के अंतर्गत और बजट से हटकर उधार ली गई धनराशि का ऋण चुकाने का बोझ बहुत बढ़ गया है। इसमें सरकार की कुल राजस्व प्राप्तियों का 34 प्रतिशत खर्च हो रहा है।

क्रिकेटर मोहम्मद शमी को मिलेगा अर्जुन अवॉर्ड

राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की हुई घोषणा, बैडमिंटन की जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को मिलेगा खेलरत्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस साल मिलने वाले खेल अवॉर्ड्स के लिए एथलीट्स के नामों का ऐलान कर दिया गया है। इसमें सबसे बड़ा सम्मान खेल रत्न अवॉर्ड बैडमिंटन की स्टार जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को मिलेगा। जबकि अर्जुन अवॉर्ड के लिए स्टार क्रिकेटर मोहम्मद शमी को भी शामिल किया गया है। मोहम्मद शमी का नाम पहले से ही चल रहा था, अब इसकी आधिकारिक घोषणा हो गई है। बता दें कि शमी ने 2023 वनडे विश्वकप में शानदार प्रदर्शन किया था और पूरे टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने थे। शमी को अब अपने इसी शानदार प्रदर्शन का ईनाम मिला है।

बता दें कि यह सभी राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 9 जनवरी 2024 को राष्ट्रपति भवन में एक बड़ा प्रोग्राम आयोजित करते हुए उसी दौरान दिए जाएंगे। यह सभी अवॉर्ड राष्ट्रपति द्वारा खिलाड़ियों को प्रदान किए जाएंगे। यह घोषणा खेल मंत्रालय ने की है।

26 एथलीट्स को दिए जाएंगे अर्जुन अवॉर्ड

खेल मंत्रालय के मुताबिक, इस बार मोहम्मद शमी समेत 26 एथलीट्स को अर्जुन अवॉर्ड दिया जाएगा। जबकि मेजर ध्यान चंद खेल रत्न अवॉर्ड 2023 से चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को सम्मानित किया जाएगा। यह सभी अवॉर्ड इन एथलीट्स को अपने खेल में शानदार प्रदर्शन करने के लिए दिए जाएंगे। खेल मंत्रालय ने बताया है कि समितियों की सिफारिशों के आधार पर और उचित जांच के बाद सरकार ने इन सभी खिलाड़ियों, कोचों और संस्थाओं को अवॉर्ड के लिए चुना गया है। मंत्रालय ने सभी अवॉर्ड पाने वाले खिलाड़ियों, कोचों और संस्थाओं की लिस्ट भी जारी की है।

शमी के गांव में जश्न का माहौल

यूपी के अमरोहा में मोहम्मद शमी के गांव में ये खबर आने के बाद से जश्न का माहौल है और परिवार खुशियां मना रहा है। गांव में लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुबारकबाद दिया और जश्न मना रहे हैं। मोहम्मद शमी ने इस साल वनडे विश्वकप में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने सबसे ज्यादा 24 विकेट लिए थे और टीम इंडिया को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके इसी प्रदर्शन के चलते उन्हें अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुना गया है।

'मेहनत करने के बाद भी पता नहीं क्यों हम पांच साल बाद हार जाते हैं'

» राजस्थान चुनाव में मिली हार पर छलका सचिन पायलट का दर्द

» बोले- सदन के भीतर और बाहर नई सरकार की जवाबदेही तय करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोंक, राजस्थान। राजस्थान में हर बार की तरह इस बार भी रिवाज कायम रही और पांच साल बाद एक बार फिर विधानसभा चुनावों में सत्ता परिवर्तन हुआ। विधानसभा चुनावों में सत्ता पर काबिज कांग्रेस की हार हुई और बीजेपी ने अपनी सरकार बनाई।

हालांकि, चुनाव से पूर्व इस बार ऐसा प्रतीत हो रहा था कि कांग्रेस इस रिवाज को बदल सकती है और लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल कर सकती है।

लेकिन जब चुनाव के परिणाम आए को नतीजे कांग्रेस के खिलाफ और भाजपा के पक्ष में आए। अब नई सरकार बनने और भजन लाल शर्मा के राजस्थान के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद पहली बार कांग्रेस नेता और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन

पायलट की चुनाव परिणामों के बाद पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। पायलट ने कहा कि हम हर बार खूब मेहनत करते हैं, लेकिन पता नहीं क्यों हर पांच साल बाद हम हार जाते हैं।

अपने विधानसभा क्षेत्र में जनता का आभार जताने टोंक आए सचिन पायलट ने कहा कि सदन के भीतर और बाहर न सिर्फ नई सरकार की जवाबदारी तय करेंगे बल्कि सशक्त विपक्ष की भूमिका भी निभाएंगे। पायलट ने कहा कि चुनाव से पहले बीजेपी के कई बड़े-बड़े नेता दिल्ली से राजस्थान आए थे। उन नेताओं ने प्रदेश की जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे, ऐसे में हम उनसे कहेंगे कि वे अपने वादे पूरे करें। उन्होंने कहा कि अभी तो नई सरकार अपना मंत्रिमंडल भी बना पाई है, लेकिन हम उसकी जवाबदारी तय करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

हम 70 की संख्या में हैं, कमजोर नहीं पड़ेंगे

पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि विपक्ष में बैठने के बावजूद हम कमजोर नहीं पड़ेंगे क्योंकि इस बार हम 70 की संख्या में जीत कर आए हैं। हालांकि, ग्रामीणों को अपनी जीत के लिए आभार जताने आए पायलट अपनी पार्टी की हार का दर्द नहीं छिपा पाए और उनका यह दर्द उनकी जुबां पर आ ही गया।

इस बार थी जीत की उम्मीद

सचिन पायलट ने कहा कि हम हर बार खूब मेहनत करते हैं, लेकिन पता नहीं क्यों हर पांच साल बाद हम चुनावों में हार जाते हैं। इस बार तो हमें जीत की पूरी उम्मीद थी, लेकिन नतीजा वही हुआ कि हम हार गए।

बंगाल की संस्कृति को कर दिया बर्बाद: सौमित्र खान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद परिसर में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ का मजाक उड़ाने को लेकर भाजपा नेता सौमित्र खान ने तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ दल ने राज्य की सदियों पुरानी संस्कृति को शर्मसार कर दिया है।

» उपराष्ट्रपति की मिमिक्री करने पर टीएमसी सांसद पर भड़के भाजपा नेता

पश्चिम बंगाल के बिष्णुपुर से भाजपा के लोकसभा सांसद ने कहा कि पहले टीएमसी विधायक अखिल गिरी थे, जिन्होंने हमारे राष्ट्रपति के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की और अब हमारे पास उनके एक सांसद हैं, जो उनके तौर-तरीकों की नकल कर रहे हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि उपराष्ट्रपति की मिमिक्री कर के वे बंगाल की गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा को बर्बाद कर रहे हैं और उस पर दाग लगा रहे हैं। यह न केवल बंगाली समुदाय बल्कि पूरे देश के लिए शर्म की बात है। इससे पहले, राज्यसभा के सभापति के प्रति निलंबित सांसद कल्याण बनर्जी की असभ्य धारणा पर अपना गुस्सा व्यक्त करते हुए हरियाणा के गृह मंत्री और भाजपा नेता अनिल विज ने पहले मांग की थी कि इस घटना के आलोक में टीएमसी नेता की लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी जाए।

औपनिवेशिक कानून को बदलने का मौका बर्बाद: पी. चिदंबरम

» कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने की नए आपराधिक कानून की आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नए आपराधिक कानून पर सरकार को घेरते हुए पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने पूछा क्या सरकार ने सच में अंग्रेजों के औपनिवेशिक आपराधिक कानून को खारिज कर दिया है? कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने गुरुवार को सरकार द्वारा लाए गए तीन विधेयकों की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक कानून को बदलने और दोबारा तैयार करने का मौका बर्बाद हो गया है। लोकसभा ने बुधवार को तीन विधेयक पारित किए- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयक।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने कहा कि क्या सरकार ने सच में अंग्रेजों के औपनिवेशिक आपराधिक कानून को खारिज कर दिया है? आईपीसी के 90-95%, सीआरपीसी के 95% और साक्ष्य

विधेयकों में लिंचिंग और नाबालिग से दुष्कर्म में फांसी की सजा का प्रावधान

चिदंबरम ने आगे लिखा कि वास्तव में सरकार ने मूल आईपीसी और साक्ष्य अधिनियम का मसौदा तैयार करने वाले मैकॉले और फिट्ज स्टीफन को अमर कर दिया है। कानून को बदलने और दौबारा तैयार तकने का मौका बर्बाद हो गया। ये तीनों विधेयक औपनिवेशिक युग की भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता अधिनियम 1898 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की जगह लेंगे।

अधिनियम के 99% तीन विधेयकों को कट, कॉपी और पेस्ट किया गया है। क्या कोई इससे इनकार या बहस कर सकता है?

संक्षिप्त खबरें

भ्रष्टाचार मामले में स्टालिन सरकार के मंत्री को तीन साल की सजा

चेन्नई। तमिलनाडु के वरिष्ठ मंत्री के पोनमुडी को मद्रास हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में तीन साल की जेल की सजा सुनाई है। हाईकोर्ट ने उन पर 50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत की तरफ से पोनमुडी को बरी करने के फैसले को पलटते हुए ये सजा सुनाई। बता दें कि मद्रास उच्च न्यायालय ने पोनमुडी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में दोषी पाया था। कोर्ट ने तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री और उनकी पत्नी पी. विसालक्षी को बरी करने के निचली अदालत के आदेश को मंगलवार को रद्द कर दिया था।

कर्नाटक में जीप-ट्रक की जोरदार टक्कर, हादसे में चार की मौत

कालाबुरागी (कर्नाटक)। कर्नाटक के कालाबुरागी जिले में एक ट्रक और जीप के बीच आमने-सामने की टक्कर में पांच वर्षीय लड़के सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा बुधवार देर रात अफजलपुर कस्बे के बाहरी इलाके में तालुक कार्यालय के पास हुआ। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय संतोष, 55 वर्षीय शंकर, 50 वर्षीय सिद्दम्मा और पांच वर्षीय हुचप्पा के रूप में की गई। सभी अफजलपुर कस्बे के पास मडयाला गांव के रहने वाले थे। वहीं, 30 वर्षीय पूजा डोड्डामणि को दुर्घटना में गंभीर चोटें आईं और उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, जीप अफजलपुर से मल्लाबाद की ओर जा रही थी और कलबुर्गी से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर में जीप धातु के क्षत-विक्षत ढेर में तब्दील हो गई।

सीआईएसएफ को मिली संसद सुरक्षा की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। संसद में हुई सुरक्षा चूक के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बड़ा फैसला किया है। संसद की सुरक्षा की जिम्मेदारी अब केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को सौंप दी गई है। अब तक दिल्ली पुलिस के जवान संसद की सुरक्षा संभाल रहे थे। गृह मंत्रालय ने फैसला किया है कि संसद भवन परिसर की व्यापक सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ संभालने वाली है। संसद की सुरक्षा चूक को लेकर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर भी है। सीआईएसएफ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल का एक हिस्सा है, जो न्यूक्लियर और एयरोस्पेस डोमेन के अंतर्गत आने वाले प्रतिष्ठानों, सिविलियन एयरपोर्ट और दिल्ली मेट्रो की सुरक्षा का काम करती है। इसके अलावा दिल्ली में कई केंद्रीय मंत्रालयों के भवनों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सीआईएसएफ के पास ही है। इस तरह सरकार के फैसले के बाद अब सीआईएसएफ के पास देश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली इमारत की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी आ गई है।

कनॉट प्लेस में गोपालदास बिल्डिंग में लगी भीषण आग, दमकल की 16 गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के कनॉट प्लेस में स्थित गोपालदास बिल्डिंग में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की 16 गाड़ियां मौके पर पहुंची। चारों तरफ धुआं और चीख-पुकार मची है। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली के बाराखंभा रोड स्थित गोपालदास बिल्डिंग में आग लगने की घटना हुई। बिल्डिंग की 11वीं मंजिल पर आग लगने की यह घटना हुई है। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं हैं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कोई जनहानि नहीं हुई है।

संसद में सुरक्षा चूक का मामला: कर्नाटक से एक और शख्स हिरासत में

बागलकोट। संसद भवन में हाल ही में लोकसभा की कार्यवाही के दौरान सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले के बाद वहां की सुरक्षा व्यवस्था पर तमाम सवाल उठ रहे हैं। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने कर्नाटक के एक युवक को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि एक सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक (डिप्टी एसपी) के बेटे और एक तकनीकी विशेषज्ञ साईकृष्ण जगली को बुधवार रात बागलकोट के जिला मुख्यालय शहर के विद्यागिरी में उसके घर से हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि जगली बंगलूरू में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करता है। वह पिछले हफ्ते लोकसभा में घुसने वाले दो घुसपैठियों में से एक मैसूर का रहने वाला मनोरंजन डी का दोस्त है।

फिर लोगों के ठिकानों पर चला सरकारी बुलडोजर

कुकरैल रिवर फ्रंट के पास बनी अकबर नगर कालोनी में हुई कार्रवाई, पुलिस ने विरोध करने पर लोगों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में जिला प्रशासन के दस्तों ने आज यानी बृहस्पतिवार 21 दिसंबर को कुकरैल रिवर फंट के दायरे में आने वाले अकबरनगर की बस्ती और बाजार पर सुबह से बुलडोजर चलाने का सिलसिला शुरू कर दिया। पुलिस इसे अवैध बस्ती बता रही है। दस्ते ने सबसे पहले उन कारोबारी और परिवारों को निशाना बनाया जिनकी अपील को मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने सुनवाई के दौरान खारिज कर दिया था।

ऐसे कारोबारी और परिवारों को पांच दिन के अंदर दुकान और मकान खाली करने का आदेश दिया गया था। इनमें 27 कारोबारी और 50 परिवार शामिल हैं। प्रशासन के दस्तों ने सुबह 8:00 बजे उन मकानों और दुकानों को तोड़ना शुरू कर दिया जिन पर नोटिस चस्पा

फोटो : सुमित कुमार

विरोध करने आए भाजपा मंडल अध्यक्ष को पुलिस ने खदेड़ा

तोड़फोड़ के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष मंगल झा ने अपने समर्थकों के साथ विरोध प्रदर्शन किया, तो पुलिस ने दौड़ा-दौड़ा कर लाठियां से पीटा। प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर महानगर कोतवाली भेजा है। पुलिस के लाठीचार्ज के बाद विरोध प्रदर्शन करने वाले भी ढीले हो गए। प्रशासन के दस्ते तोड़फोड़ करने में जुटे हैं साथ ही कारोबारी और परिवार दुकान और घरों से सामान भी निकालते रहे हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।